मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 214, मुंबई, मंगलवार, 3 नवंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

मराठा छात्रों को बड़ी राहत

मंत्री अमित देशमुख ने कहा– महाराष्ट्र सरकार छात्रों को फीस वापस करने पर कर रही है विचार

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार मेडिकल कॉलेजों में मराठा आरक्षण का लाभ पाने वाले छात्रों की फीस वापसी के विकल्प पर विचार रही है है। राज्य के मेडिकल शिक्षा मंत्री अमित देशमुख ने सोमवार को कहा कि उनका विभाग इस संबंध में राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष एक प्रस्ताव रखेगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र सरकार ने शीर्ष अदालत की बड़ी पीठ में एक आवेदन दायर कर आरक्षण को लागू करने पर लगी रोक हटाने का आग्रह किया है

सीएम उद्धव ठाकरे को लेना है अंतिम फैसला

महाराष्ट्र : विधान परिषद की 2 शिक्षक और 3 स्नातक निर्वाचन सीटों के लिए 1 दिसंबर को होगा चुनाव

5 नवंबर को जारी होगी अधिसूचना

संवाददाता

मुंबई। चुनाव आयोग ने सोमवार को महाराष्ट्र विधान परिषद की 2 शिक्षक एवं 3 स्नातक निर्वाचन सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव के तारीखों की घोषणा कर दी है। इन पांच सदस्यों का कार्यकाल 19 जुलाई 2020 को समाप्त हो गया है। इसके लिए मतदान 1 दिसंबर को होगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

टेस्टिंग बढ़ाने के लिए मुंबई में शुरू हुआ फ्री कोरोना टेस्ट

244 केंद्रों पर कोविड-19 जांच के लिए नहीं देने होंगे एक भी पैसे

मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने सोमवार से शहर मे 244 केन्द्रों पर कोविड-19 की मुफ्त जांच शुरू कर दी है। बीएमसी ने कहा कि मुंबई में लोग कोविड-19 का कोई भी लक्षण होने पर 1916 पर फोन कर सकते हैं। इसके लिए एक वेबसाइट भी तैयार की गई है। इस पर लोग उनके घर के करीब मौजूद जांच केन्द्र के संबंध में जानकारी हासिल कर सकते हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए फैसला

अब सारी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट होंगी बंद, सर्विस और हाई-टेक इंडस्ट्रीज को इजाजत

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण पर रोक लगाने के मकसद से सोमवार को बड़ा ऐलान किया। नए इंडस्ट्रियल एरिया में नई मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स नहीं लग पाएंगी। जो पुरानी चल रहीं हैं, उन्हें भी दूसरे सेक्टर में बदलने का मौका दिया जाएगा। सरकार ने इसका नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि शहर के इंडस्ट्रियल इलाकों में किसी भी नई मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट को मंजूरी नहीं दी जाएगी। केवल सर्विस सेक्टर और हाई-टेक इंडस्ट्रीज को यूनिट लगाने की इजाजत होगी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अमेरिका में चुनाव

हमारा ध्यान इस समय पूरी तरह बिहार चुनाव पर है। हमें लगता है कि बिहार विधानसभा का चुनाव भारतीय राजनीति की दशा और दिशा तय करेगा। लेकिन बाकी दुनिया की नजरें अमेरिका पर हैं। कल जब अमेरिकी मतदाता अपना राष्ट्रपति चुनने के लिए घर से निकलेंगे, तो वे अपने वोट से दुनिया की बहुत सारी नीतियां भी तय कर देंगे। इस मामले में अमेरिकी मतदाताओं के पास जो अवसर होता है, वह दुनिया के किसी और देश के मतदाताओं के पास नहीं होता। इसलिए उसका महत्व भले ही बिहार विधानसभा चुनाव जितना न हो, लेकिन हमारे लिए अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव भी कम अहमियत नहीं रखते। बिहार के चुनाव हमारी राजनीति को भीतर से बदल सकते हैं, तो अमेरिका के चुनाव उन बाहरी दबावों को बदलेंगे, जिनमें कोई देश अंतरराष्ट्रीय राजनय में अपनी यात्रा तय करता है। अमेरिका के चुनाव भारत समेत पूरी दुनिया के लिए एक और कारण से महत्वपूर्ण हैं, जिन पर हम बाद में आएंगे। पहले जायजा अमेरिका के राजनीतिक परिदृश्य का। अमेरिका का यह राष्ट्रपति चुनाव उस समय हो रहा है, जब कोरोना वायरस ने दुनिया के इस सबसे शक्तिशाली माने जाने वाले देश को बुरी तरह झकझोर दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बड़बोलेपन और उनकी डींगों की जितनी पोल इस दौरान खुली है, उतनी उसके पहले कभी नहीं खुली थी। शायद पूरे अमेरिकी इतिहास में किसी भी राष्ट्रपति की पोल इस तरह से नहीं खुली। इस सच को तो अमेरिका में ज्यादातर लोग स्वीकार कर रहे हैं कि ट्रंप कोरोना संक्रमण से देश को बचाने में बिलकुल ही नाकाम रहे हैं। देश को ही क्यों, वे खुद को भी संक्रमण से नहीं बचा सके। इस पूरे दौर में सोशल मीडिया पर उन्हें एक मसखरे के तौर पर भी पेश किया जाता रहा है, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी जो बिडेन की छवि अभी भी गंभीर राजनेता की ही बनी हुई है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि ट्रंप के दिन अब पूरे हो रहे हैं। यह माना जाता है कि ट्रंप के पास एक ज्यादा कट्टर समर्थक वर्ग है, यह भी माना जाता है कि ट्रंप का एक बाकायदा कल्ट है, जो कोई दूसरी बात सुनने को तैयार नहीं होता। चुनाव ऐसे समय हो रहे हैं, जब अमेरिकी समाज भी काफी उथल-पुथल से गुजर रहा है। ह्यब्लैक लाइव्स मैटर्सह्य जैसे आंदोलन ने अश्वेत समाज के गुस्से और अलगाव को सतह पर ला दिया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि इस असंतोष के बीच होने वाला मतदान किसके पाले में जाएगा। पिछले कुछ समय में तकरीबन पूरी दुनिया में ही एक ऐसी लहर चली थी, जिसमें रूढ़िवादी या दक्षिणपंथी विचारधाराओं के नेता कई देशों की सत्ता पर काबिज हुए। ट्रंप भी उन्हीं में एक हैं, और शायद सबसे ज्यादा बेपरवाह और बड़बोले भी। अब जब ऐसे नेताओं की पकड़ कमजोर होने के संकेत मिल रहे हैं, तो ट्रंप की हार इस रुझान पर पक्की मुहर मानी जाएगी। इसका अर्थ होगा दुनिया में उदार कूटनीति और राजनय का लौटना। इन चुनावी नतीजों का भारत के साथ अमेरिका के रिश्तों पर कोई बड़ा फर्क पड़ेगा, अभी तक तो ऐसा नहीं लगता। यह जरूर है कि अगर बिडेन जीतते हैं और कमला हैरिस उप- राष्ट्रपति बनती हैं, तो भारतीयों के लिए एक गर्व का क्षण होगा। अमेरिका में रहने वाले भारतीयों और भारतवंशियों के लिए तो खैर यह बड़ी बात होगी ही। फिलहाल इसमें कोई और बड़ी उम्मीद नहीं देखनी चाहिए।

आसान नहीं है दिल्ली की हवा साफ करना

देश की राजधानी दिल्ली को दमघोंटू वायु प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश के तहत नया आयोग बनाने की घोषणा ने नई उम्मीद जगाई है। देश की राजधानी में साल दर साल घने होते वायु प्रदूषण ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। ताज्जुब है कि 1998 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त ईपीसीए यानी पर्यावरण प्रदूषण बचाव एवं नियंत्रण प्राधिकरण जैसी संस्था भी दिल्ली में प्रदूषण पर रोक नहीं लगा पाई। इसकी वजह पानी और आबादी की तरह वायु प्रदूषण रोकने में भी दिल्ली का अन्य राज्यों पर निर्भर होना है। हालांकि दिल्ली में वाहनों की बहुलता प्रदूषण का स्थायी स्नोत है। इसके बावजूद दिल्ली में 20 फीसद प्रदूषण राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कारण फैलता है।

बहरहाल, अध्यादेश के जरिये जारी नए कानून के तुरंत प्रभाव से लागू होने से इसके तहत आयोग का गठन और उसके सदस्यों की नियुक्ति भी केंद्र सरकार जल्द करेगी। इस कानून की प्रमुख विशेषता इसका समावेशी ढांचा है जिसमें सभी प्रभावित राज्यों के अधिकारियों एवं जन प्रतिनिधियों को शामिल करने का प्रावधान है। अध्यादेश के तहत प्रदूषण फैलाने पर पांच साल तक जेल की सजा या एक करोड़ रुपये जुमार्ने अथवा दोनों सजा साथ होने जैसे स्पष्ट दंडात्मक प्रावधान भी माहौल सुधारने में सहायक होंगे। यह कानून दिल्ली और एनसीआर से जुड़े पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के उन इलाकों तक लागू होगा, जहां वायु प्रदूषण से संबंधित गतिविधियां जारी हैं। इसका कार्य दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तथा संबद्ध क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन करना है। आयोग में अध्यक्ष के अलावा 20 सदस्यों में केंद्र सहित इन सभी राज्यों के अधिकारी आदि होंगे। यह नियमों का कड़ाई से पालन करवाना सुनिश्चित करेंगे। आयोग में दो पूर्णकालिक सदस्य होंगे जो केंद्र सरकार के संयुक्त सचिव होंगे। इसके अलावा तीन पूर्णकालिक स्वतंत्र तकनीकी सदस्य होंगे, जिन्हें वायु प्रदूषण संबंधी वैज्ञानिक जानकारी होगी। इनके साथ ही वायु प्रदूषण रोकथाम के अनुभवी स्वयंसेवी संगठन के भी तीन सदस्य आयोग में शामिल होंगे। आयोग जरूरत पड़ने पर सहयोगी सदस्यों को भी नियुक्त कर सकता है। आयोग में निगरानी और पहचान, सुरक्षा और प्रवर्तन तथा अनुसंधान और विकास में प्रत्येक से एक-एक के साथ तीन उप कमेटी होंगी। आयोग को वायु (प्रदूषण रोकथाम और नियंत्रण) कानून 1981 और पर्यावरण (संरक्षण) कानून 1986 जैसे मौजूदा कानूनों के तहत निवारण के लिए मामलों का स्वतः संज्ञान लेने, शिकायतों पर सुनवाई, आदेश जारी करने का भी अधिकार होगा।

गौरतलब है कि दिल्ली की तरह ही चीन की राजधानी बीजिंग, रूस की राजधानी मास्को सहित तमाम औद्योगिक महानगरों में वायु प्रदूषण भीषण समस्या बन गया है। ब्रिटेन की राजधानी लंदन भी पिछली सदी के सातवें दशक में दिल्ली की तरह वायु और जल प्रदूषण का शिकार था। ब्रिटेन ने उद्योगों को लंदन से हटा कर और पर्यावरण संरक्षण संबंधी कड़े कानून लागू करके दशक भर में इससे निजात पाई। दिल्ली इस मामले में अपवाद है, क्योंकि यहां वायु प्रदूषण के लिए इसके पड़ोसी राज्य भी काफी हद तक जिम्मेदार हैं। इसीलिए साल 1997 से सार्वजनिक वाहनों में सीएनजी लगाने, उद्योगों को रिहायशी इलाकों से हटाने, मेट्रो रेल परियोजना सहित प्रदूषण नियंत्रण के लगातार उपायों के बावजूद वायु प्रदूषण बेकाबू है। सद्गदयों में यह दिल्ली एनसीआर के निवासियों का दम घोंट देता है। अक्टूबर में पंजाब-हरियाणा में पराली जलाने और फिर दीवाली के पटाखों का धुआं पूरी सर्दी तथा गद्गमयों में भी राजस्थान से आने वाली धूल भरी आंधी दिल्ली की हवा को बुरी तरह प्रदूषित करते हैं। दिल्ली में आजकल बेहद प्रदूषित वायु सुद्गखयों में है और पांच राज्यों की बैठक में वायु प्रदूषण की स्थितियों से निपटने के लिए केंद्र और राज्यों ने प्रयास तेज कर रखे हैं। दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी वायु गुणवत्ता सूचकांक एक्यूआइ औसतन 250 तक है। एक्यूआइ 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बेहद खराब और 401 और 500 के बीच गंभीर श्रेणी में आता है। इंडेक्स से हवा में मौजूद कणीय पदार्थ यानी पीएम 2.5, पीएम 10, सल्फर डाई ऑक्साइड और अन्य प्रदूषक कणों का पता चलता है। ये हवा में तैरते सूक्ष्म कण हैं जो माइक्रोस्कोप में दिखते हैं, मगर जीव-जंतुओं की श्वसन प्रणाली का कबाड़ा कर देते हैं। केंद्र सरकार के अनुसार इस मौसम में दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण केवल पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने से नहीं, बल्कि वहां उद्योगों में प्रदूषण मानकों की अनदेखी से भी बढ़ता है। इससे निपटने को ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू किया गया है। इसके तहत बड़े निर्माण, डीजल से चलने वाले जेनरेटर, कोयले के प्रयोग और तंदूरों पर रोक समेत अनेक पाबंदियां लगी हैं। ये पाबंदियां अगले साल 15 मार्च तक लागू रहेंगी।

इस बार का अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव है ऐतिहासिक

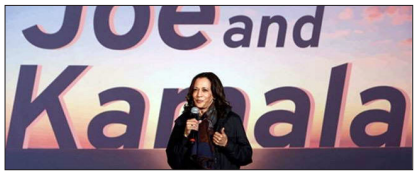

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की घड़ी आ गई है। तीन नवंबर के मतदान के बाद यह पता चल जाएगा कि दुनिया के इस सबसे ताकतवर देश में किस पार्टी की सरकार आएगी। डोनाल्ड ट्रंप दूसरे कार्यकाल के लिए ह्वाइट हाउस पहुंचेंगे या डेमोक्रेट्रिक उम्मीदवार जो बिडेन राष्ट्रपति चुने जाएंगे। इनमें से भले ही कोई राष्ट्रपति चुना जाए, लेकिन इस बार का अमेरिकी चुनाव कई मायनों में ऐतिहासिक है। खासकर कोरोना महामारी के दौर में चुनाव का होना। चीन, कोरोना, नस्ली भेदभाव और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों का चुनाव में हावी होना। इनके अलावा, अमेरिका में पहली बार ऐसा होगा जो न सिर्फ ऐतिहासिक है, बल्कि भारत के लिए भी गर्व की बात है। दरअसल अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों की इस चुनाव में अहमियत बढ़ी है। इसी का नतीजा है कि अमेरिका में पहली बार किसी भारतवंशी को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया है। साथ ही, राष्ट्रपति पद के दोनों उम्मीदवार भारतीय मूल के वोटरों को लुभाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ये सब भारत के हित के लिहाज से काफी अहम माने जा रहे हैं। चुनाव में प्रमुख मुद्दा बने चीन को लेकर राष्ट्रपति पद के दोनों उम्मीदवार ट्रंप और बिडेन सख्त रवैया दिखा रहे हैं। ट्रंप लगातार कह रहे हैं कि कोरोना महामारी फैलने के लिए बीजिंग जिम्मेदार है और इसके लिए उसे बख्शा नहीं जाएगा।

वह चुनावी रैलियों में कई बार कोरोना वायरस को चीनी वायरस तक कह चुके हैं। उन्होंने यह भी दावा किया है कि इस वायरस की उत्पत्ति चीनी लैब में हुई है। यहीं से यह खतरनाक वायरस पूरी दुनिया में फैला। वह दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागीरी वाले रवैये पर भी सख्त संदेश दे चुके हैं। उनके प्रशासन ने कुछ माह पहले ही दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में उसके सभी दावों को अवैध करार दिया था। ट्रंप सरकार भारतीय सीमा पर चीन के आक्रामक रवैये से भी खफा है। उसने साफ तौर पर कह दिया है कि वह भारत के साथ है। हाल में दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों की टू प्लस टू वार्ता के बाद जारी किए गए संयुक्त बयान में कहा गया कि चीन की आक्रामक नीतियों से मिलकर लड़ा जाएगा। हालांकि कुछ मसलों पर ट्रंप का रुख भारतीयों के हित के लिहाज से अच्छा नहीं माना जा रहा है। भारतीयों में लोकप्रिय एच1-बी वीजा पर उनकी सख्ती है। उन्होंने अमेरिकी कामगारों के हितों की रक्षा का हवाला देकर इस वीजा के नियमों को कड़ा कर दिया है। वैसे बीते दिनों वायु प्रदूषण को लेकर भी ट्रंप भारत को घेर चुके हैं। अंतिम प्रेसिडेंशियल डिबेट में तो उन्होंने यहां तक कह दिया था कि भारत, चीन और रूस की हवा बेहद गंदी है, और इन देशों को इसकी चिंता नहीं है। दूसरी ओर बिडेन ने वादा किया है कि वह एच1-बी वीजा के सख्त नियमों को आसान करेंगे और इस पर लगी रोक को भी खत्म करेंगे।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, मंगलवार
3 नवंबर, 2020

शादी के बाद पत्नी को पता चला पति गंजा है और विग लगाता है, महिला ने एफआईआर दर्ज कराई

मुंबई। कुछ महीनों पहले आई हिन्दी फिल्म 'बाला' जैसी कहानी का एक मामला महाराष्ट्र के ठाणे में सामने आया है। यहां के मीरा रोड इलाके में रहने वाले एक युवक को उसकी पत्नी उसके गंजेपन की वजह से छोड़कर चली गई। दरअसल, शादी के बाद महिला को पता चला कि उसका पति गंजा है और शादी में विग लगाए हुआ था। इसके बाद महिला ने न सिर्फ पति को छोड़ा बल्कि पुलिस स्टेशन जाकर पति और ससुराल वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने भी उसे धोखे में

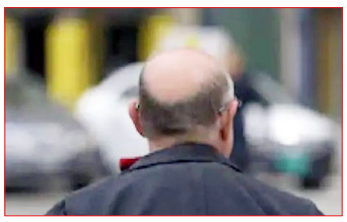

रखा और खुलासा होने पर इसे छोटा मामला बताकर टालने की कोशिश की। महिला ने नया नगर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 406 और 500 के तहत धोखाधड़ी और मानहानि के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई है। 29 साल के आरोपी पति ने ठाणे की एक अदालत में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की है। इस पर सुनवाई के बाद उसे पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने को कहा गया है। महिला का पति एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। शादी के बाद वह यह देखकर हैरान हो गई कि उसका पति विग पहनता है। पति और उसके घर वालों ने शादी से पहले इसका जिक्र तक नहीं किया था।

सास-ससुर ने छोटा मामला बता पलड़ा झाड़ा: महिला के मुताबिक, अगर उसे पहले इस बात की जानकारी दी जाती कि उसका होने वाला पति गंजा है तो वह कभी शादी के लिए सहमति नहीं देती। पति के गंजे होने की जानकारी सामने आने के बाद जब महिला ने अपने सास-ससुर से इस जानकारी को छिपाने को लेकर सवाल जवाब किया तो उन्होंने इसे एक छोटा मामला बताया।

करीब डेढ़ साल बाद दर्ज करवाई एफआईआर: पुलिस ने महिला के पति के साथ उसके माता-पिता के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कर ली है। सीनियर इंस्पेक्टर कैलाश बर्वे ने बताया कि महिला और उसके परिवार वालों के बीच दूसरे भी विवाद है। शादी के करीब डेढ़ साल बाद उसने मामले में एफआईआर दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है।

ग्राउंड जीरो पर ऊर्जा मंत्री नितिन राउत, टाटा थर्मल पावर प्लांट का करेंगे निरीक्षण

मुंबई। मुंबई में पावर कट के दौरान टाटा पावर कंपनी ने बिजली की आपूर्ति नहीं की थी। जिसके बाद महाराष्ट्र के ऊर्जा नितिन राऊत 2 नवंबर को सुबह में स्थित टाटा थर्मल पावर प्लांट में निरीक्षण दौरा करेंगे। सुबह 11 बजे के आसपास नितिन राउत टाटा पावर पहुंचेंगे। जिसके बाद वे पूरे प्लांट का दौरा करेंगे फिर अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। दोपहर के समय वे पत्रकारों को संबोधित करेंगे। पावर ग्रिड फेल होने की वजह से 12 अक्टूबर को मुंबई समेत कई इलाकों में कुछ घंटों के लिए बिजली

की आपूर्ति खंडित हो गई थी। उसकी वजह से आर्थिक राजधानी मुंबई को काफी नुकसान हुआ था और जनता भी परेशान हुई थी। इस घटना के बाद ऊर्जा मंत्री ने जांच के आदेश दिए थे। जिसकी रिपोर्ट आने की प्रतीक्षा है। ऊर्जा मंत्री नितिन राउत ने इस घटना की पुनरावृति ना हो इसलिए मुंबई शहर और उपनगर को बिजली की आपूर्ति करने वाली संबंधित कंपनियों में निरीक्षण करने का फैसला किया है। उन्होंने कंपनियों से भी कहा है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इसकी भी रिपोर्ट भेजी जाए। इसके पहले खारघर के महावितरण के केंद्र पर भी नितिन राउत निरीक्षण कर चुके हैं।

दोषियों पर कार्रवाई: ऊर्जा मंत्री नितिन राउत ने दोषियों पर भी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। जो लोग जांच रिपोर्ट में दोषी पाए जाएंगे। उनके ऊपर एक्शन लेने की बात भी राउत ने कही है। इसके अलावा अपनी ड्यूटी को निष्ठा के साथ ना निभाने वालों पर गाज गिर सकती है।

बैंक के बाहर व्यक्ति पर धारदार हथियार से हमला

मुंबई। मुंबई के सांताक्रूज उपनगरीय क्षेत्र के कलीना इलाके में सोमवार को एक बैंक के बाहर कुछ लोगों ने एक व्यक्ति पर धारदार हथियार से हमला किया और फरार हो गए। वकोला पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि हमलावरों को पकड़ने के लिए देना बैंक के आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमलावर दो या तीन की संख्या में थे और वे एक मोटरसाइकिल पर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि वहां तैनात एक यातायात पुलिसकर्मी और राहगीरों ने पीड़ित संजय कुरतडकर (50) को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। वकोला पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक कैलाश अवहाड ने बताया, कुरतडकर एक निजी कंपनी में काम करते हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी स्थिति में सुधार होने पर हम उनका बयान लेंगे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मराठा छात्रों को बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने इस साल सितंबर में नौकरियों एवं शिक्षण संस्थानों में मराठा आरक्षण को लागू करने पर रोक लगा दी थी और मामले को बड़ी पीठ को भेज दिया था। महाराष्ट्र सरकार ने शीर्ष अदालत की बड़ी पीठ में एक आवेदन दायर कर आरक्षण को लागू करने पर लगी रोक हटाने का आग्रह किया है। देशमुख ने कहा कि राज्य सरकार विचार कर रही है कि मराठा आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम रोक से प्रभावित होने वाले छात्रों को किस तरह से राहत दी जा सकती है। जब यह पूछा गया कि सरकार उनकी फीस वापस करेगी, तो मंत्री ने कहा, यह (फीस वापसी) एक विकल्प हो सकता है और मेडिकल शिक्षा विभाग इस आशय का प्रस्ताव मंत्रिमंडल के समक्ष लेकर आएगा। उन्होंने कहा, मंत्रिमंडल में चर्चा के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जी इस पर अंतिम फैसला लेंगे। देशमुख ने कहा कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि मराठा समुदाय के छात्रों को परेशानी न हो। उच्चतम न्यायालय ने 2018 के महाराष्ट्र के कानून पर रोक लगाई है जो शिक्षण संस्थानों और नौकरियों में मराठाओं को आरक्षण देता है लेकिन स्पष्ट किया है कि जो लोग आरक्षण का लाभ ले चुके हैं उनका दर्जा इससे प्रभावित नहीं होगा।

महाराष्ट्रः विधान परिषद की 2 शिक्षक और 3 स्नातक निर्वाचन सीटों के लिए 1 दिसंबर को होगा चुनाव

स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए जिन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है, उनमें नागपुर डिवीजन स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से अनिल मधुकर सोले, अमरावती डिविजन शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से श्रीकांत देशपांडे, औरंगाबाद डिवीजन स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से सतीश भानुदा सराव चव्हाण और पुणे डिवीजन स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से क्रमशः चंद्रकांत पाटिल और दत्तात्रेय अच्युत राव सावंत शामिल है। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 5 नवंबर को चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी। 12 नवंबर नामांकन पत्र भरने की अंतिम तारीख और 13 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। 17 नवंबर नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तारीख होगी। इसके बाद 1 दिसंबर को सुबह 8 से शाम 5 बजे तक मतदान और 3 दिसंबर को मतगणना होगी।

टेस्टिंग बढ़ाने के लिए मुंबई में शुरू हुआ फ्री कोरोना टेस्ट

बीएमसी ने कहा कि अस्पतालों और 'डिस्पेंसरी' के 244 केन्द्रों पर कोविड-19 की मुफ्त जांच शुरू की गई है। उसने कहा कि कुछ केन्द्रों पर 'आरटी-पीसीआर' जांच भी की जा रही है। वहीं अन्य केन्द्रों पर 'एंटीजन' जांच की जा रही है। बीएमसी की ओर से बताया गया कि कोरोना संकट से जूझ रही मुंबई में अब तक 51,117 बिल्डिंग सील की जा चुकी हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि इनमें से 43,638 बिल्डिंग रिलीज हो चुकी हैं। इन इमारतों में मिले कोरोना मरीज ठीक हो चुके हैं, जबकि 7,479 बिल्डिंग अब भी सील हैं। कोरोना का संक्रमण झोपड़पट्टियों से ज्यादा इमारतों में देखने को मिला है। कोरोना के शुरूआती समय में बिल्डिंग सुरक्षित थीं, लेकिन बाद में इमारतों में बड़ी संख्या में कोरोना के मरीज मिलने लगे। इससे बीएमसी ने बड़ी संख्या में बिल्डिंग सील की।

दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए फैसला

पुराने इंडस्ट्रीयल एरिया में जो मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स लगी हैं, उन्हें भी कहा जाएगा कि वह इसे बंद करके सर्विस सेक्टर या टेक इंडस्ट्री में खुद को बदल लें। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार के पास भी भेजा गया था, जहां से मंजूरी मिल गई है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के इंडस्ट्रियल एरिया में अभी तक महंगी जमीनें थीं। इसके चलते आईटी, मीडिया, एचआर सर्विसेज, कॉल सेंटर्स, बीपीओ, टीवी प्रोडक्शन हाउस, मार्केट रिसर्च, प्लेसमेंट एजेंसी और अन्य प्रोफेशनल्स अपना ऑफिस यहां नहीं खोल पाते थे।

जय हिंद कॉलेज का रोटारैक्ट क्लब हर साल 'साइलेंट सैटरडेस' नामक एक प्रसंग का आयोजन करता, लेकिन कोरोना की वजह से इस साल किया अनूठा पहल

मुंबई में स्थित, जय हिंद कॉलेज का रोटारैक्ट क्लब हर साल 'साइलेंट सैटरडेस' नामक एक प्रसंग का आयोजन करता है। यह प्रसंग पूरे नवंबर महीने के लिये आयोजित किया जाता है। पूरे माहीने, हर दिन 'आरसीजेसी' के सदस्य समाज की सेवा के लिए काम करते है। हर साल यह लोग एक गरीबों की बस्ती अपनाते है और उस बस्ती के प्रगती के लिए काम करते हैं। हर सप्ताह यह लोग ऐक समाजिक मुद्दा उठाते है और उससे संबंधित चिजे दान करते है। इस साल कोरोना महामारी के करण बस्तियों में जान अपने आप में ही एक जोखिम भरा कर्य है। इसलिए उन्होंने इस प्रसंग को एक अलग तरह से करने की ठानी। तो इस बार उन्होंने यह सोचा कि पूरे मुम्बई में क्लब के जितने भी कार्यकर्ता है, वह अपने अपने इलाके में जा कर, वहा मौजूद जरूरत मंदो की मदत करेंगे, तय किये गये मुद्दे के अनुसार नवंबर के हर एक दिन वह लोग एक एक दुर्लभ की मदत कर उनकी बुनियादी आवश्यकताएं पूरी करेंगे और हर शनीवार एक एन. जी.ओ 'हेल्प अदरस' जाके वहाँ मौजुद बच्चों के साथ समय बिताएंगे। अन बच्चों को कुच अच्छा सिखायेंगे। तो इस प्रसंग के लिये इन्होंने 4 मुद्दे चुने हैं, जो है- सेहत, शिक्षा, भूंक और सुरक्षा। हर मुद्दे को एक हफ्ता नियुक्त किया गया हैं ताकी हर एक कार्यकर्ता जद्या से जद्या लोगो तक पहुंचकर उनकी मदत कर सके। मुंबई में स्थित, जय हिंद कॉलेज का रोटारैक्ट क्लब हर साल 'साइलेंट सैटरडेस' नामक एक प्रसंग का आयोजन करता है। यह प्रसंग पूरे नवंबर महीने के लीये आयोजित किया जाता है। पूरे माहीने, हर दिन 'आरसीजेसी' के सदस्य समाज की सेवा के लिए काम करते है। हर साल यह लोग एक गरीबों की बस्ती अपनाते है और उस बस्ती के प्रगती के लिए काम करते हैं। हर सप्ताह यह लोग ऐक समाजिक मुद्दा उठाते है और उससे संबंधित चिजे दान करते है। इस साल कोरोना महामारी के करण बस्तियों में जान अपने आप में ही एक जोखिम भरा कर्य है। इसलिए उन्होंने इस प्रसंग को एक अलग तरह से करने की ठानी। तो इस बार उन्होंने यह सोचा कि पूरे मुंबई में क्लब के जितने भी कार्यकर्ता है, वह अपने अपने इलाके में जा कर, वहा मौजूद जरूरत मंदो की मदत करेंगे, तय किये गये मुद्दे के अनुसार नवंबर के हर एक दिन वह लोग एक एक दुर्लभ की मदत कर उनकी बुनियादी आवश्यकताएं पूरी करेंगे और हर शनीवार एक एन.जी.ओ 'हेल्प अदरस' जाके वहाँ मौजुद बच्चों के साथ समय बिताएंगे। अन बच्चों को कुच अच्छा सिखायेंगे। तो इस प्रसंग के लिये इन्होंने 4 मुद्दे चुने हैं, जो है- सेहत, शिक्षा, भूंक और सुरक्षा। हर मुद्दे को एक हफ्ता नियुक्त किया गया हैं ताकी हर एक कार्यकर्ता जद्या से जद्या लोगो तक पहुंचकर उनकी मदत कर सके।

तीसरे चरण का ट्रायल जल्द

तैयारी भारत बायोटेक 2021 की दूसरी तिमाही में पेश करेगी वैक्सीन

■ नई दिल्ली संवाददाता

दवा बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक कोरोना के लिए अपनी वैक्सीन (टीके) को अगले साल दूसरी तिमाही में पेश करने की योजना बना रही है। भारतीय नियामकों से अपेक्षित मंजूरी मिल जाने की स्थिति में कंपनी की यह योजना है।

भारत बायोटेक के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि कंपनी फिलहाल देश के विभिन्न स्थानों पर तीसरे चरण के परीक्षण पर ध्यान दे रही है। कंपनी ने इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) के सहयोग से संभावित टीके कोवैक्सीन को विकसित किया गया है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक साई प्रसाद ने कहा, 'यदि हम परीक्षण के अपने अंतिम चरण में मजबूत प्रायोगिक साक्ष्य और डेटा, प्रभावकारिता तथा सुरक्षा डेटा स्थापित करने के वाद सभी अनुमोदन प्राप्त करते हैं, तो हम 2021 की दूसरी तिमाही में इसे पेश करने का लक्ष्य रखते हैं।'

■ आईसीएमआर और एनआईवी के सहयोग से विकसित किया जा रहा है यह टीका

एएमयू में 14 से होगा वैक्सीन का ट्रायल

अलीगढ़ (संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) मेडिकल कालेज में कोवैक्सीन के क्लीनिकल ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए 1,000 स्वयंसेवकों को आमंत्रित किया गया है। ये ट्रायल 14 नवम्बर से शुरू होकर जनवरी के अंत तक जारी रहेंगे। एएमयू के कुलपति प्रोफेसर तारिक मंसूर ने कहा कि जेएनएमसी में बड़े पैमाने पर आयोजित हो रहे क्लीनिकल ट्रायल का उद्देश्य हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक के नेतृत्व वाले कोविड-19 वैक्सीन की सुरक्षा और प्रभाव का मूल्यांकन करना है।

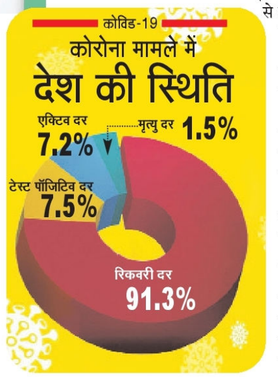

30 फीसद कम मामले आए अक्टूबर में

नई दिल्ली (संवाददाता)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़कर 81.84 लाख हो गई है। कोरोना से होने वाली मौत की संख्या में सितम्बर के मुकावले अक्टूबर में लगभग 30 फीसद की कमी देखी गई। ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 74.91 लाख पर पहुंच गई।

■ तेजी से बढ़ रही स्वस्थ होने वालों की संख्या

■ अब तक 74.91 लाख हो चुके हैं स्वस्थ

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार एक दिन में संक्रमण के 46,963 नए मामले सामने आए तथा महामारी से 470 और मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ ही कुल मामलों की संख्या बढ़कर 81,84,082 हो गई और मृतकों की संख्या 1,22,111 पर पहुंच गई। अक्टूबर के पहले सप्ताह से कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों में लगातार गिरावट देखी जा रही है।

समाज सेवा के जुनून ने दिया बड़ा प्लेटफॉर्म और मुकाम: नदीम कुरैशी

मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना की पंक्तियां बरेली के वरिष्ठ समाज सेवी, युवा नेता नदीम कुरैशी के ऊपर सटीक बैठती है। स्पष्ट वक्ता और बिना राग लपेट के रूप में बोलने के लिए जाने वाले नदीम कुरैशी मुस्लिम सेवा संघ के अलावा जन सेवा कमेटी जैसे समाजिक संगठनों से जुड़े हैं, अल्पसंख्यक समुदाय में उनकी अच्छी खासी पकड़ है। एक बार रिश्ते बनाए तो फिर समय-समय पर उसकी मिठास का एहसास कराना उनकी आदत में शुमार है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश में उनकी अच्छी पकड़ बनती जा रही है जिस तरीके से निस्वार्थ भाव से समाज सेवा करने की एक ललक दिखाई देती है लोगों

के बीच जाकर समस्याओं को सुनते व उच्च स्तर पर ले जाकर उनका निस्तारण करवाते हैं यही सच है कि लोगों में एक अच्छी छवि और नई ऊजार्वान नेता के रूप में समाजसेवी नदीम कुरैशी को पहचाना जाता है। अब लोगों में इसका खासा असर भी देखा जा रहा है प्रदेश वासियों ने भी मान लिया कि जमीन से जुड़े हुए नेता की ज्यादा जरूरत है जिसके लिए लोग साथ जुड़ने के लिए आगे बढ़कर आ रहे हैं। नदीम कुरैशी अपनी परवाह किए बिना जनता के काम में लगे रहते हैं। यही कारण है कि जिस समय वह कहीं पर खड़े होते हैं तो लोग अच्छे नेता के तौर पर उनसे जुड़ने लग जाते है। अगर हम रिश्तों की बात करें तो कई उतार चढ़ाव देखने वाले इस शख्स के पास अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज का भारी जुड़ाव है वहीं राजनीति के कद्दावरों में धुरंधरों से भी काफी नजदीकी रिश्ते हैं।

केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ राजस्थान ने पास किया बिल

संवाददाता

जयपुर। केंद्र सरकार के कृषि बिलों के खिलाफ राजस्थान विधानसभा ने कृषि संशोधन बिल पास कर दिया है। सदन में हंगामे के बीच कृषक सशक्तिकरण और संरक्षण संशोधन विधेयक पास हुआ। इस दौरान बीजेपी नेता नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट कर गए। बता दें कि गहलोत सरकार ने शनिवार को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया था। यह सत्र केंद्र सरकार के कृषि कानूनों को खत्म करने के लिए बुलाया गया। इसके तहत सदन के पटल पर छह विधेयक रखे

गए थे। संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने सदन के पटेल पर कुछ प्रमुख विधेयक रखें, जो इस प्रकार हैं- कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य संवर्द्धन और सरलीकरण राजस्थान संशोधन विधेयक 2020, कृषक सशक्तिकरण और संरक्षण, कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार राजस्थान संशोधन विधेयक 2020, आवश्यक वस्तु विशेष उपबंध और राजस्थान संशोधन विधेयक 2020 और सिविल प्रक्रिया संहिता राजस्थान संशोधन विधेयक 2020। वहीं, सीएम अशोक गहलोत ने केंद्र के कृषि कानून के खिलाफ पंजाब के बाद नया विधेयक लाने का ऐलान किया था। पंजाब में केंद्र सरकार के कृषि से जुड़े तीन कानूनों को निरस्त करने का प्रस्ताव पास हो चुका है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने अपनी प्रदेश सरकारों से कहा था कि कृषि विधेयकों को खारिज करने के लिए वो कानून पर विचार करें।

अर्णब गोस्वामी को जारी कारण बताओ नोटिस के खिलाफ 6 नवंबर को सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- विधानसभा के समन में कुछ भी गलत नहीं

संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक अर्णब गोस्वामी की याचिका पर 6 नवंबर को सुनवाई करेगा। याचिका में गोस्वामी को महाराष्ट्र विधानसभा की तरफ से विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव पर कार्यवाही शुरू करने के लिए जारी कारण बताओ नोटिस को चुनौती दी गई है। अर्णब को यह कारण बताओ नोटिस सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में उनके कार्यक्रम में बहस के दौरान मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर की गई टिप्पणियों को लेकर जारी किया गया है। प्रधान न्यायाधीश एस. ए. बोबडे, न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमणियन की पीठ को अर्णब की ओर से बताया गया कि इसे विशेषाधिकार हनन नहीं माना जा सकता और रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक को विधानसभा में 5 नवंबर को बुलाया गया है। अर्णब की ओर से उनके वकील ने कहा, हमें पता चला है कि अब विशेषाधिकार समिति का गठन किया गया है।

अध्यक्ष की ओर से नोटिस जारी किया गया है। बेंच ने अपने आदेश में कहा, विधानसभा की तरफ से समन किए जाने में कुछ भी गलत नहीं है लेकन अगर विशेषाधिकार समिति कोई कार्रवाई करती है तो आप उसे चुनौती दे सकते हैं। मामले को 6 नवंबर, 2020 को सूचीबद्ध किया जाए। इस बीच, याचिकाकर्ता (अर्णब गोस्वामी) को जरूरी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया जाता है। अर्णब की याचिका पर न्यायालय ने 30 सितंबर को महाराष्ट्र विधानसभा के सचिव से एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा था। रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने 30 सितंबर को न्यायालय से कहा था कि अर्णब गोस्वामी ने विधानसभा की किसी समिति या विधानसभा की कार्यवाही में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं किया है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत 14 जून को मुंबई के उपनगर बांद्रा में अपने फ्लैट में छत से लटके मिले थे। उनकी मौत के मामले की इस समय सीबीआई जांच कर रही है।

बुलढाणा हलचल

बुलढाणा जिले मे निजी मोबाइल कंपनी के खराब नेटवर्क से ग्राहक परेशान

बुलढाणा। निजी मोबाइल कंपनी के खराब नेटवर्क से बुलडाणा वासी काफी परेशान है। इन दिनों जिले में कंपनी का नेटवर्क जब चाहे तब चला जाता है। वहीं किसी अन्य व्यक्ति को कॉल करने पर कॉल नहीं लग रहा। वहीं अगर कॉल लगता भी है तो अपने-आप बीच में ही कट जा रहा है। कारण भोक्ताओं में नाराजगी है। जिले के मोबाइल फोन ग्राहक कॉल ड्रॉप, खराब नेटवर्क, धीमा इंटरनेट आदि की समस्या से परेशान हैं। लगभग हर कंपनी के नेटवर्क का हाल एक जैसा ही है। जीयो, बीएसएनएल, रिलायंस, डोकोमो, एयरटेल समेत अन्य कंपनियों में यह समस्या आम है।

देखा जाये तो इंटरनेट सेवा भी अच्छे से अपना कार्य नही कर रही है साथ ही स्पीड भी 4 जी नेटवर्क जैसै है इससे इंटरनेट से जुड़े कई ऑनलाइन कार्य बाधित हो रहे है। ग्रामीण इलाकों में लगभग कुछ महीनों में कुछ ऐसी ही समस्या लोगों को परेशान कर रही है। लोग संचार सेवा से वंचित हो रहे हैं। इस कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। मोबाइल कंपनी की सेवा ठीक नहीं मिलने से उपभोक्ताओं को समस्या से दो चार होना पड़ रहा उपभोक्ताओं ने बताया कि उनसे 4 जी का पैसा लेकर मोबाइल कंपनियां बड़ी मुश्किल से 2 जी का सर्विस दे रहा है। जिससे कस्टमर अपने आपको ठगा महसूस कर रहा है। बताया जा रहा बुलडाणा जिले में ही ऐसे कई गांव है। जहां पर इंटरनेट चलाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है वही आसपास के कई गांवों के ग्रामीण नेटवर्क की इस समस्या से त्रस्त हैं। इस तरह से नेटवर्क सर्वर खराब होने से जिलावासी में आक्रोश पनप रहा है जिससे लोग बेहतर सेवा की आस लिए अपना नंबर दुसरे कंपनी मे चेंज करवा रहे है।

रुक रुक कर नीचे उतर रहा है बुलढाणा जिला में कोरोना का ग्राफ

संवाददाता

बुलढाणा। कोरोना के घटते मामलों के बीच, पिछले कुछ दिन से फिर कोरोना का ग्राफ पचास से नीचे गिर गया है। सोमवार को तो मात्र 36 पॉजिटिव रोगी मिले। इसके मुकाबले 61 की रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद उनको विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। इस तरह कोरोना के कुल संक्रमित रोगियों की संख्या 9513 पहुंच गई। जब के 8911 संक्रमीत सफल उपचार के बाद घर लौट गए है। जिले में कोरोना संक्रमण धीरे-धीरे कमी से जिलावासी राहत की सांस ले रहे है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार रैपिड एंटीजन टेस्ट किट

द्वारा और परीक्षण के लिए प्रयोगशाला को भेजी गई रिर्पोटों से कुल 450 रिपोर्ट प्राप्त हुई हैं। इनमें से 413 रिपोर्टें कोरोना नेगेटिव और 36 रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। प्राप्त सकारात्मक रिपोर्ट में 325 प्रयोगशाला रिपोर्ट और 88 रैपिड टेस्ट रिपोर्ट शामिल हैं।आज 2656 नमूनों की रिपोर्ट का इंतजार है। अब तक कुल 47056 नकारात्मक रिपोर्ट हैं। जिले में आज कुल 9513 कोरोना प्रभावित मरीज थे। जिनमें से 8911 कोरोना संक्रमित रोगियों को चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुसार छुट्टी दे दी गई है। क्योंकि उन्होंने कोरोना पर काबू पा लिया है। इसलिए, 476 कोरोना संक्रमित रोगियों का वर्तमान में जिले के अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसके अलावा, आज तक, 126 कोरोना पीड़ितों की मृत्यु हो गई है, निवासी डिप्टी कलेक्टर ने कहा।

रामपुर हलचल

जमीअत उल्माऐं हिन्द ने महामहिम राष्ट्रपति को उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार के माध्यम से एक पत्र प्रस्तुत किया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। जमीअत उल्माऐं हिन्द ने महामहिम राष्ट्रपति जी को उपजिलाधिकारी एवं तहसील दार के माध्यम से एक पत्र प्रस्तुत करते हुए कहा गया है कि फ्रांस के राष्ट्रपति एवं एक अध्यापक द्वारा मुहम्मद सल्लललाही वसल्लम की शान में जो गुस्ताखी की गई है इस्लाम ने मुसल्मानों को यह शिक्षा दी गई है कि दुनिया के अन्दर जितने भी धर्म है उन सब का अदब एहतराम किया जाय एवं सभी धर्मों के रहनुमा पादरी, ऋषि मुनि और उन सभी धर्म की किताबों का अदब एहतराम किया जाय दुनिया के अन्दर सभी धर्म व धार्मिक रहनुमा सम्मान के काबिल हैं पिछले दिनों फ्रांस के राष्ट्रपति द्वारा लगातार पैगम्बर मुहम्मद साहब की शान में जो गुस्ताखी की जा रही हैं जिससे लोकतंत्र में मसीहा रखने वाले देशों में रह रहे मुसलमानों की भावनाऐ आहत हुई हैं भारत सर्व धर्म सदभाव में विशवास रखने वाला मुल्क है मुल्क में रहने वाले करोड़ो मुसल्मानों की भावनाऐ फ्रांस के इस कदम से आहत हुई है। सभी ने विनती करते हुए भारत सरकार भारत में स्थित फ्रांस के राजदूत को तलब कर घटना से सम्बन्धित विरोध दर्ज करायेजाने की मांग की गई है पत्र पर इमाम शहर मौलाना जमील इमाम जामा मस्जिद मौलाना जलीस अहमद, काजिए शहर मौलाना अकीलुर्रहमान, अध्यक्ष तंजीम उलमा मौलाना शाहिद, जनरल सेक्रेट्री मौलाना मोहम्मद शाहिद, हाफिज अब्दुल खालिक, मुशर्रफ अली, मोहम्मद राशिद, मोहम्मद फहीम, करी रियासत, मौलाना रियाज, के हस्ताक्षर मौजूद हैं।

राजस्थान हलचल

डॉ कल्ला के स्वस्थ स्वास्थ्य के लिए कोटगेट स्थित दरगाह पर चढ़ाई गई चादर, खिलाया गायों को गुड़

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

बीकानेर। बीकानेर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा कोटगेट के पास हजरत बलवान शाह र, अ, की दरगाह पर चादर चढ़ाई गई व नई सड़क पर गाये को गुड़ खिलाया गया राजस्थान के लोकप्रिय नेता एवं बीकानेर के विधायक विकास पुरुष डॉक्टर बी डी कल्ला साहब व उनके पूरे परिवार के जल्द स्वास्थ्य लाभ एंव लंबी आयु की प्रार्थना की गई और देश में बढ़ते हुए कोविड-19 बचाव के लिए ऊपर वाले से दुआएं की गई क्योंकि कॉरोना स्त्रं१३-2 दुनिया में शुरू हो चुका है इसी के तहत फ्रांस जर्मनी जैसे बड़े देश में लोकडाउन 2 की शुरूआत हो चुकी है इसलिए हम बीकानेर की जनता से भी अपील करते हैं राजस्थान सरकार की गाइडलाइन की पालना करें अपना और अपने परिवार का ख्याल रखें इस प्रोग्राम में शहर कांग्रेस वरिष्ठ उपाध्यक्ष अब्दुल मजीद खोखर, कांग्रेस सचिव मोहम्मद इकबाल नागौरी, मोहम्मद हुसैन नागौरी, मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय महासचिव एन डी कादरी, कामगार कांग्रेस जिला अध्यक्ष जाकिर हुसैन नागौरी, ओबीसी कांग्रेस महासचिव इकरामुद्दीन लोहार, अल्पसंख्यक कांग्रेस पूर्व प्रदेश महासचिव एडवोकेट मोहम्मद असलम, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बंसी लाल आचार्य, कामगार कांग्रेस उपाध्यक्ष असगर अली गोरी, जितेंद्र बिस्सा, मोहम्मद रफीक नागौरी, हसन अली खिलजी, मेहताब दमामी, मूलाराम नायक, रियाज सुलेमानी, व कई कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

समस्तीपुर हलचल

किसान-नौजवान विरोधी भाजपा-जदयू की सरकार सत्ता से बेदखल होगीः राजाराम सिंह

समस्तीपुर। किसान के खिलाफ मोदी सरकार द्वारा हाल ही में लाया गया तीनों काला कानून का असर आलू-प्याज की बढ़ती कीमत के रूप में आम जनता के सामने हैं। किसान के हाथों से कृषि उत्पाद निकलते ही कारपोरेट कंपनी एवं जमाखोर इस कानून की कमजोरी का लाभ जमकर उठा रहे हैं। इससे किसानों की बची-खुची कमर पूरी तरह टूट जाएगी। ऐसी किसान विरोधी जदयू-भाजपा सरकार को अपने वोट के जरीये किसान उखाड़ फेकेंगी। उक्त बातें मुक्तापुर स्टेशन के समक्ष स्थित चुनाव कार्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए देश के चर्चित किसान नेता सह भाकपा माले पोलिट ब्यूरो सदस्य राजाराम सिंह ने कहा मौके पर बेगुसराय के जिला सचिव दीवाकर प्रसाद, माले पोलिट ब्यूरो सदस्य प्रभात कुमार चौधरी, जीबछजी पासवान, प्रो० उमेश कुमार, सुरेन्द्र प्रसाद सिंह आदि उपस्थित थे। उन्होंने प्रधानमंत्री के समस्तीपुर आगमन पर प्रशासन द्वारा मथुरापुर सब्जी मंडी बंद करने के आदेश का विरोध करते हुए कहा कि किसनों के काटे गये बर्बाद सब्जी का मुआवजा प्रशासन किसानों को दें। माले नेता ने कहा कि नौजवान भारत में नौजवानों को आगे लाने के बजाए मोदी सरकार युवा नेता तेजस्वी यादव का विरोध कर रहे हैं। अकेले चुनाव कंपेन में उतरे तेजस्वी को हराने के लिए नीतीश- मोदी सरकार के फौज-फाटक से लेकर कई मुख्यमंत्री के अलावे केंद्रीय मंत्रीमंडल बिहार में उड़नखटोला लेकर उड़ रहे हैं लेकिन उनके भाषण से रोजगार, स्वास्थ, आवास, आरक्षण, समान काम के बदले वेतन, पेंशन, निजीकरण, भूमि सुधार, मनरेगा, स्कीम वर्कर आदि के मुद्दे गायब है जबकी भाकपा माले महागठबंधन के साथ इन्हीं मुद्दों को लेकर चुनाव अभियान संचालित कर रही है. उन्होंने कहा कि भाजपा-जदयू का टेंट-तंबू खाली हो रहा है। उनके कार्यकर्ता हताश हैं। क्षेत्र भ्रमण के बाद उन्होंने पूरा विश्वास है कि मतदाता दसों विधानसभा क्षेत्र में महागठबंधन उम्मीदवार को जीताकर तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बनाने का मौका देगी।

सरकार के आदेशों की उड़ाई जा रही है धज्जियां

संवाददाता/नदीम अख्तर

टांडा (रामपुर)। भरतीय जनता पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला मंत्री अब्दुल सलाम ने प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री व उच्च अधिकारियों को पत्र प्रेषित करते हुए कहा है कि दिनांक 6/9/2020को डिपो होल्डर्स के मनमाना रवैय्या अपनाये जाने को लेकर एक शिकायती प्रार्थना पत्र प्रेषित किया जा चुका है जिसमें कहा गया है कि नगर के समस्त डिपो होल्डर्स द्वारा उपभोक्ताओ के साथ खुलेतौर पर उनका शोषण किया जाता है साथ ही सरकार के आदेशों की खुली धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं साथ ही कमजोर किस्म के व्यक्ति जो पात्रता के घेरे में आते है उनको वंचित रखा जा रहा है जबकि उनको कोई लाभ तक नहीं मिल पा रहा है जो अपात्र व्यक्ति है वह अपना लाभ उठाये जाने में लगे हुए हैं। विभागीय एवं उच्च अधिकारियों की साठ गांठ के चलते लीपा पोती की जा रही है खास बात यह कि प्रति यूनिट के हिसाब से खाध सामग्री मानक ने अनुसार उपलब्ध करानी चाहिये ऐसा न कर कोटा धरको द्वारा खाध सामग्री कर तोला कर दी जाती है तथा उपभोक्ताओं से अधिक धन की वसूली भी की जाती है। इसका विरोध किया जाता है तब कोटा धारको द्वारा अभद्रता का रवैय्या अपना खरी खोटी सुनाये जाने के साथ साथ प्रताड़ित किया जाता है राशन कार्ड को केंसिल कराये जाने की भी धमकिया दी जाती है। कोटा धरको के मनमाना रवैय्या अपनाये जाने को लेकर रोक लगाये जाने तथा स्पष्ट तरीके से जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही किये जाने की पुनः मांग की गई है। साथ ही जो पात्रता के घेरे में नहीं आते हैं उनके राशनकार्ड निरस्त किये जायें पात्रता के आधार पर गरीब एवं कमजोर किस्म के लोगों के राशनकार्ड अभियान चलाकर बनाये जाये।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रात भर सोने नहीं देता कमर का दर्द तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

अक्सर लोग सोचते हैं कि कमर दर्द का कारण बढ़ती उम्र है लेकिन ऐसा जरूरी नहीं। कई बार गलत तरीके से उठने-बैठने, चोट,खान-पान में गड़बड़ी,गर्भावस्था या फिर और भी बहुत कारणों से कमर में दर्द हो सकता है। कमर दर्द में पीठ की मांसपेशियों में खिचाव, स्नायुओं में अकडन. और तेज दर्द महसूस होता है। कभी-कभी यह दर्द नितंबों से पैरों तक भी पहुंच जाती है। एक जगह पर ही बैठे रहने से दिक्कत पहले से भी ज्यादा बढ़ सकती है। कोशिश करें कि हल्का-फुल्का काम करते रहें लेकिन शारीरिक गतिविधियों के बिल्कुल बंद भी न करें। कई बार सर्दी के कारण भी यह समस्या होने लगती है ऐसे में खुद को ठंड से बचाकर रखें।

क्यों होती है कमर दर्द

कमर मांसपेशियों,डिस्क,नसों और हड्डियों की जटिल संरचना है। इन घटकों में से किसी के साथ होने वाली समस्या से पीठ में दर्द होने लगता है। कई बार कमर में होने वाले दर्द के कारण पता लगाना मुश्किल हो जाता है। सामान्य से लेकर इसके गंभीर कारण भी हो सकते हैं।

किन लोगों को होती हैं इसकी अधिक समस्या

ज्यादा तर 45- 50 साल की उम्र के लोगों, शरीरिक कमजोरी,शरीर में विटामिन डी और कैल्शियम की कमी से जूझ रहे लोगों में यह परेशानी होती है। अगर छोटी उम्र या फिर शरीर की किसी अंदरूनी समस्या के कारण अक्सर दर्द बना रहता है तो डॉक्टर के साथ संपर्क करके इसके कारण को जरूर जांचे। इसके अलावा भी इसके बहुत से कारण हो सकते हैं।

- रीढ़ की हड्डी में ट्यूमर
- गुर्दे में सक्रमण
- भारी सामान उठाना
- जरूरत से ज्यादा काम करना
- बढ़ता वजन
- ऊंची एड़ी के सैंडल पहनना
- अचानक से झटके के साथ झुकना, आदि।

प्रैग्नेंसी के बाद क्यों रहता है कमर में दर्द

बच्चे को जन्म देने के बाद अक्सर महिलाएं कमर में दर्द होने की शिकायत करती हैं।

गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय का आकार बड़ा हो जाता है। इस कारण मांसपेशियों में खिंचाव पैदा होता है, जिससे डिलीवरी के बाद यह खिंचाव ढीलेपन में बदल जाता है। जो कमर में दर्द का कारण बनता है। इसके अलावा हार्मोन में आया बदलाव और कमजोरी भी इसकी वजह हो सकती है।

कमर दर्द को कम करने के घरेलू उपाय

1. शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरी करने के लिए डेयरी प्रॉडक्ट और कैल्शियम से भरपूर आहार खाएं। रोजाना 2 गिलास दूध जरूर पीएं। इसके अलावा हड्डियों की कमजोरी कमर दर्द का सबसे बड़ा कारण हैं हड्डियों की कमजोरी को दूर करने के लिए रोज सुबह की धुप में 25 से 30 मिनट तक बैठे।

2. लहसुन के एंटीसैप्टिक गुण दर्द को कम करने में बेहद लाभकारी है। एक जार में 400 ग्राम लहसुन को बारीक काटकर इसमें 1 लीटर कच्चे सूरजमुखी का तेल डालकर बर्तन को अच्छे से बंद कर दें। इस बात का ध्यान रखें कि इस जार पर धूप न पड़े और लगातार 15 दिनों तक इसे हिलाते रहें। इसके बाद छान कर इस तेल को निकाल लें और लगातार 60 दिनों तक इस तेल की रोजाना सुबह शाम मालिश करने से कमर दर्द ठीक हो जाता हैं।

3. कमर में लगातार अकडन.बनी रहती है तो गुनगुने पानी में सेंधा नमक डाल कर नहाएं। इससे बहुत आराम मिलेगा।

4. तवे पर अजवाइन को हल्का-सा भून लें फिर इसे चबाकर खाएं। इससे भी कमर दर्द धीरे-धीरे ठीक हो जाता है।

5. सर्दी के कारण कमर का दर्द सता रहा है तो एक सूखी अंजीर,एक सूखी खुबानी और पांच सूखे आलूबुखारे रात को सोने से पहले चबाकर खाएं। इस उपाय से कमर का दर्द कुछ ही दिनों में ठीक हो जाएगा।

6. कमर दर्द में आराम पाने के लिए एक चम्मच शहद में दालचीनी पाउडर की एक ग्राम मात्रा मिलाकर सुबह शाम दिन में दो बार खाएं। इससे काफी आराम मिलेगा।

7. गर्म पानी की सिकाई करने से भी दर्द से जल्द राहत मिलती है।

अगर आपको लगातार कमर दर्द की शिकायत रहती हैं तो इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें। यह किसी गंभीर बीमारी का भी संकेत हो सकता है। एक बार डॉक्टरी जांच जरूर करवाएं।

पुरुषों को भी पता होनी चाहिए मॉइश्चराइजर से जुड़ी कुछ बातें

लड़कियां हो या फिर लड़के हर कोई चाहता है कि उनकी स्किन परफैक्ट होनी चाहिए। औरतों के मुकाबले पुरुषों की त्वचा ज्यादा सख्त होती है इसलिए उन्हें केयर की भी ज्यादा जरूरत होती है। बाहरी वातावरण की गंदगी से त्वचा को बचाए रखने के लिए स्किन को समय-समय मॉइश्चराइज करना बहुत जरूरी होता है। पुरुष अगर पहले से ही किसी मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करते हैं तो पहले कुछ बातों के बारे में जान लेना बहुत जरूरी है।

1. त्वचा के अनुसार हो मॉइश्चराइजर

हर किसी की स्किन एक जैसी नहीं होती। कुछ लोग ऑयली तो कुछ रूखेपन से परेशान होते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि आप कोई भी मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल कर लें। अपनी त्वचा के हिसाब से ही मॉइश्चराइजर लगाएं। इससे आपको बहुत फायदा मिलेगा। आजकल बाजार में मैन स्पैशल बहुत से मॉइश्चराइजर बाजार में आसानी से मिल जाते हैं।

2. मॉइश्चराइजर करता है त्वचा को सुरक्षित

मॉइश्चराइजर आपकी स्किन को बाहरी रूप से सुरक्षा देता है लेकिन इसे अंदरूनी रूप से तंदुरूस्त बनाए रखना भी बहुत जरूरी है। दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी का सेवन जरूर करें। इससे त्वचा में नैचुरल नमी आनी शुरू हो जाएगी।

3. रात के समय जरूर लगाएं मॉइश्चराइजर

कुछ लोगों का मानना है कि सिर्फ घर से बाहर निकलते समय ही मॉइश्चराइजर लगाना जरूरी होता है लेकिन रात के समय भी इसे अप्लाई करने से फायदा मिलता है।

4. शेविंग के बाद हमेशा लगाएं मॉइश्चराइजर

कुछ पुरुषों को रोजाना शेविंग करने की जरूरत पड़ती है। इससे त्वचा में रूखापन आना आम बात है। इसे दूर करने के लिए मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं।

5. एसपीएफ युक्त होना चाहिए मॉइश्चराइजर

मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करने से पहले इस बात की जांच जरूर कर लें कि यह एसपीएफ युक्त जरूर हो।

मोटापे से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं एक्यूप्रेशर तकनीक

मोटापे से परेशान लोग वजन घटाने के लिए व्यायाम, योगा, खाने पर कंट्रोल क्या कुछ करते हैं। कुछ लोग जिम जा कर घंटो एक्सरसाइज करके पसीना बहाते हैं। कई बार ज्यादा देर जिम करने से कई तरह की शरीरिक प्रॉब्लम भी शुरू हो जाती है। ऐसे में वजन घटाने के लिए आप एक्यूप्रेशर तकनीक को भी अपना सकते हैं। यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें शरीर के बिंदुओं को दबाना होता हैं। जिससे आपको भूख कम लगेगी और आपके वजन पर भी कंट्रोल होगा। मानव शरीर पर ऐसे बिंदु होते है जिसे दबाने से कई रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है और मोटापे को भी कम किया जा सकता है।

1. कान

कान के पास के बिंदु को दबाने से भूख पर कंट्रोल होता है और जरूरत से ज्यादा खाने की आदत से छुटकारा होता हैं। एक्यूप्रेशर तकनीक अपनाते हुए कान के पास फ्लैप हिस्से को दो से तीन मिनट तक दबाना होगा। वैसे तो आप इस तकनीक को सुबह या शाम किसी भी वक्त अपना सकते हैं, लेकिन सुबह के समय इस हिस्से को दबाना ज्यादा बढ़िया रहेगा।

2. हाथ

हथेलियों पर इस तकनीक को अपनाने के लिए अंगूठे के पास वाले उभरे हिस्से को प्रतिदिन दो मिनट तक दबाना होगा। इसे दबाने से आपका डाइजेशन इंप्रूव होगा और बहुत ही तेजी से वजन घटना शुरू होगा।

3. पैर

पैर पर इस तकनीक को अप्लाई करने के लिए एंकल प्वांइट मतलब एड़ी के ऊपर वाले हिस्से की हड्डी के पीछे की ओर यहां पर खत्म होती है। उसे अपने हाथ की उंगली और अंगूठे से दबाने से भूख पर कंट्रोल होगा जिससे वजन भी कम होगा।

4. पेट

अगर आप पेट के मोटापे से परेशान है तो आप अपनी नाभि से ठीक नीचे के हिस्से पर दोनों हाथ की दो-दो उंगलियों से कुछ मिनट तक प्रेशर दें। ऐसा करने से आपका डाइजेशन सुधरेगा और आपका मोटापा कम होगा।

5. कोहनी

मोटापे पर काबू पाने के लिए आप अपनी कोहनी के जोड़ ऊपरी हिस्से को पांच से सात मिनट तक दबाएं। इस प्रक्रिया को आप दोनो साइड दोहरा सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

डिजिटल डेब्यू करने जा रहीं सोनाक्षी सिन्हा

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा के फैंस काफी समय से उन्हें पर्दे पर दमदार अंदाज में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, पिछले कुछ समय वह अपने डिजिटल डेब्यू को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। सोनाक्षी जल्द ही रीमा कागती के निर्देशन में बन रही वेब सीरीज 'फॉलेन' में नजर आने वाली हैं। सोनाक्षी सिन्हा इसकी शूटिंग के लिए भी वह पूरी तरह तैयार हैं। खबरों के अनुसार रीमा अपने इस प्रोजेक्ट को स्टार्ट टू फिनिश शेड्यूल में खत्म करने की योजना बना रही हैं। कहा जा रहा है कि लोकल प्रोडक्शन टीम राजस्थान लोकेशन की रेकी की है। इसके अलावा शूटिंग के लिए सभी जरूरी परमिशन भी ली जा चुकी है। बताया जा रहा है कि इस सीरीज की शूटिंग जनवरी में शुरू की जाएगी। जिसके लिए कुल 35 लोगों की टीम तैयार हुई है। इस क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज में सोनाक्षी को एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में दिखाई देने वाली हैं। जिसमें एक बार फिर से वह अपने दबंग अंदाज से दर्शकों का दिल जीतती दिखेंगी। कहा जा रहा है कि इसमें वह एक ब्लाइंड मर्डर केस की तहकीकात में उलझी नजर आने वाली हैं। इस सीरीज का निर्माण एक्सेल मूवीज और टाइगर बेबी फिल्म्स मिलकर कर रहे हैं।

शाहिद को आई पत्नी मीरा की याद

शाहिद कपूर ने पत्नी मीरा राजपूत के साथ लॉकडाउन फेज में क्वालिटी टाइम स्पेंड किया। अच्छा-खासा समय घर पर बिताने के बाद शाहिद कपूर इनदिनों फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में बाहर हैं। इस दौरान वे वाइफ मीरा राजपूत को मिस कर रहे हैं। एक्टर ने अपने हालिया पोस्ट में दिल का हाल बयां किया और बताया कि वे मीरा को कितना मिस कर रहे हैं। उन्होंने मीरा के साथ की एक फोटो भी शेयर की। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर पत्नी मीरा राजपूत संग तस्वीर शेयर की है। तस्वीर में दोनों की खास बॉन्डिंग साफ झलक रही थी। शाहिद मीरा के कंधे पर अपना सिर रखे नजर आ रहे थे। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में हार्ट इमोजी के साथ लिखा 'मिस यू।' कपल साथ में समय बिताना पसंद करते हैं। दोनों की फोटोज और वीडियोज वायरल होते रहते हैं जिसे कपल के फैन्स काफी पसंद करते हैं।

अमृता राव के घर गूंजी किलकारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमृता राव मां बन गई हैं। उन्होंने बेटे को जन्म दिया है। अमृता राव और उनके पति आरजे अनमोल के स्पोकपर्सन ने स्टेटमेंट जारी इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमृता और आरजे अनमोल रविवार को पेरेंट्स बने। मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। परिवार बहुत खुश है और अमृता एवं आरजे अनमोल दोनों ने सभी लोगों को उनकी शुभकामनाओं और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद दिया। अमृता शादी के 4 साल बाद मां बनी है। अमृता ने 2016 में अनमोल के साथ शादी की थी। अमृता राव इश्क विश्क, मैं हूं ना, और विवाह जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उन्हें आखिरी बार 2019 में आई फिल्म ठाकरे में देखा गया था।